नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में 'डिप्लोमा इन टेक्स्टाइल टेक्नोलॉजी' का पाठ्यक्रम

छात्रों को मिलेगी एक हजार प्रतिमाह छात्रवृत्ति

कपास आधारित उद्योगों को मिलेंगे कुशल कारीगर

वर्धा दि. 10 जुलाई 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 'एक वर्षीय डिप्लोमा इन टेक्स्टाइल टेक्नोलॉजी' का पाठ्यक्रम आरंभ किया जा रहा है। विदर्भ का क्षेत्र कपास के उत्पादन में अव्वल है और यहां कपास आधारित कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता को दखते हुए विश्वविद्यालय ने डिप्लोमा इन टेक्स्टाइल टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम शुरू किए जाने के संदर्भ एक प्रस्ताव विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को भेजा था। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सामुदायिक कॉलेज योजना के अंतर्गत इस पाठ्यक्रम को संचालित करने की अनुमति विश्वविद्यालय को दे दी है।

पाठ्यक्रम की विशेषता यह है कि इसमें विभिन्न वर्गों के 12वी पास छात्र जो किसी कारण वश आगे की शिक्षा लेने में अर्समथ है उन्हें इस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा। पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रतिमाह एक हजार रुपये के हिसाब से छात्रवृत्ति भी दी जाएगी। विदर्भ क्षेत्र कपास की उत्पादकता के लिए जाना जाता है और ऐसे में इस पाठ्यक्रम की अहमियत अधिक बढ़ जाती है। टेक्स्टाइल कंपनियों में काम करने वाले कारीगर और कर्मियों के अलावा इस क्षेत्र में रोजगार पाने के इच्छुक

छात्रों को इस पाठ्यक्रम का लाभ मिल सकता है। यह पाठ्यक्रम पूर्णतया उद्योग और स्वरोजगार आधारित है। यानी छात्र या तो टेक्स्टाइल या इससे जुड़ी कंपनी में काम कर सकता है या वह अपना उद्योग स्वयं भी लगा सकता है। इस पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विदर्भ क्षेत्र के टेक्स्टाइल मिल या कपडा उद्योगों के साथ समन्वय बनाया जाएगा ताकि इन उद्योगों को लगने वाले आवश्यक कुशल कर्मी यहां तैयार किए जा सके। पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं उत्तीर्ण रखी गयी है और प्रवेश की प्रक्रिया 15 जुलाई से आरंभ की जाएगी। प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2015 रखी गयी है। इस रोजगार और स्वरोजगार आधारित पाठ्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में प्रवेश लेने की अपील विश्वविद्यालय द्वारा की गयी है।